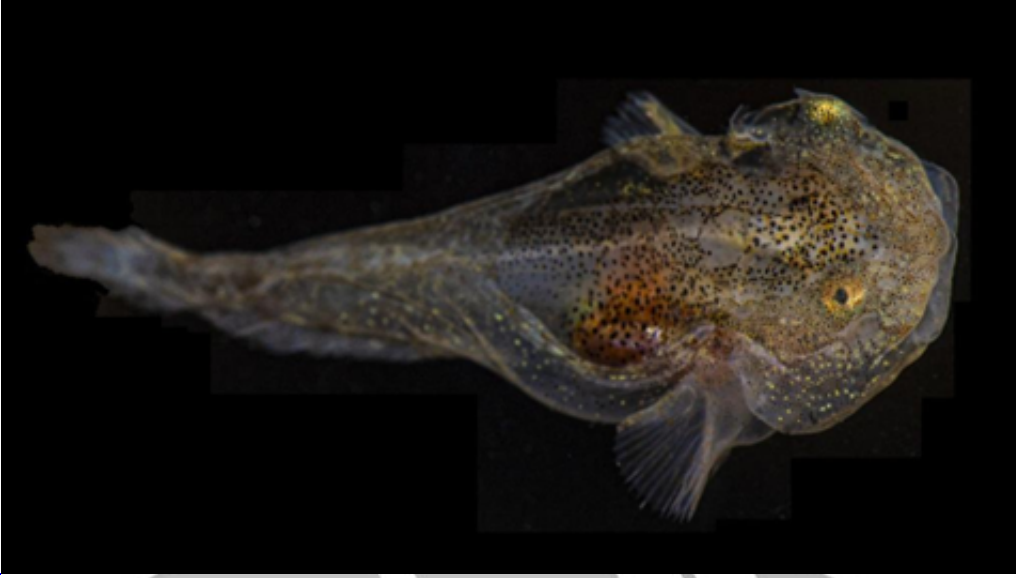


## स्नेलफशि

हाल ही में एक अध्ययन में पाया गया है कि [ग्रीनलैंड](#) में [हमिशेल](#) आवास में रहने वाली [स्नेलफशि](#) अपने रक्तप्रवाह में [हमिनरिधी/एंटीफ्रीज़ प्रोटीन](#) की उपस्थिति के कारण बर्फीले आर्कटिक जल में जीवित रह सकती है।



## स्नेलफशि

- **परिचय:**
  - [स्नेलफशि](#) नाम लपिराडि/ENG फैमिली में पाई जाने वाली 400 से अधिक प्रजातियों में से किसी को भी संदर्भित कर सकता है।
  - कभी-कभी उन्हें [समुद्री घोघे भी](#) कहा जाता है, [गैस्ट्रोपोड समुद्री घोघे](#) (जो जानवर हैं) इनसे अलग हैं।
  - स्नेलफशि [बायोफ्लोरेसेंस](#) छोड़ती है, जिससे यह गहरे आर्कटिक जल में हरे और लाल रंग के रूप में चमकती हुई प्रतीत होती है।
    - स्नेलफशि एकमात्र ध्रुवीय मछली है जिसमें बायोफ्लोरेसेंस पाया जाता है।
    - बायोफ्लोरेसेंस जीव की नीली रोशनी को हरे, लाल या पीले रंग में बदलने की क्षमता है।
      - कषेत्र में लंबे समय तक अंधेरे के कारण आर्कटिक मछली में यह शायद ही कभी पाया जाता है।
- **प्राकृतिक आवास:**
  - ये [अंटार्कटिका](#) सहित पूरे विश्व में पाई जाते हैं।
  - हालाँकि ये उथले जल में पाई जाती हैं, लेकिन इसकी गहरी समुद्री प्रजातियाँ कुछ अलग होती हैं।

## अध्ययन की मुख्य वशिषताएँ:

- ग्रीनलैंड में [हमिखंडों](#) में स्नेलफशि अपने रक्तप्रवाह में 'एंटीफ्रीज़' प्रोटीन की उपस्थिति के कारण आर्कटिक में जीवित रह सकता है।
  - इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि सबसे अधिक व्यक्त जीन [एंटीफ्रीज़ प्रोटीन](#) से संबंधित थे।
    - यह असाधारण वशिषता, जो समुद्री जीवों में दुर्लभ है, स्नेलफशि को उनकी कोशिकाओं और शरीर के फ्लूइड को बर्फ के क्रिस्टल के रूप में जमने से रोकने का कार्य करती है।
- [जलवायु परिवर्तन](#) इसकी उत्तरजीवित को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि समुद्र के बढ़ते तापमान के साथ हमिखंड तेजी से पिघलेंगे।
- उच्च अक्षांशों पर गर्म जलधारा लाने वाली [जैव विविधता](#) में वृद्धि से परतस्पर्द्धा बढ़ सकती है, जिससे खाद्य शृंखला में इसकी स्थिति खतरे में पड़ सकती है।
- नषिकर्षों से पता चलता है कि समुद्री जीव अपने अद्वितीय अनुकूलन तंत्र का उपयोग करके उप-शून्य तापमान में कैसे जीवित रह सकता है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वरष के प्रश्न:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा जीव नसियंदक भोजी (फल्टर फीडर) है?

- (a) अशलक मीन (कैटफशि)
- (b) अषटभुज (ऑक्टोपस)
- (c) सीप (ऑयस्टर)
- (d) हवासलि (पेलकिन)

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सीप या ऑयस्टर (Oyster) एक सा जलीय मोलस्क जंतु है, जसिमें नसियन्द भोजी (फल्टर फीडर) प्रकार की पोषण की वधि पाई जाती है। यह जंतु जल में, नलिम्बति रूप से मौजूद भोजन के कण, यी लार्वा, पादपप्लवक आदी को पोषण (भोजन) के रूप में ग्रहण करता है, जसिके लिये ये जलाशय या समुद्र के जल को मुँह में लेकर एक छलनीनुमा संरचना से गुजरता है एवं नसियन्दति पदार्थों को भोजन के रूप में ग्रहण करता है **अतः विकल्प (C) सही है।**
- कुछ जानवर जो इस पद्धतिका उपयोग करते हैं, वे हैं क्लैम, करलि, स्पंज, सीप, बेलन व्हेल और कई मछलियाँ (कुछ शार्क सहति)। कुछ पक्षी जैसे राजहंस और बत्तख की कुछ प्रजातियाँ भी नसियन्द भोजी हैं।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/snailfish-to-survive-sub-zero-temperatures>

